सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 89 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 3 मई, 2025

किसी की निंदा ना करें। अगर आप मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, तो ज़रुर बढाएं। अगर नहीं बढ़ा सकते, तो अपने हाथ जोड़िए, अपने भाइयों को आशीर्वाद दीजिये, और उन्हें अपने मार्ग पे जाने दीजिये।

-स्वामी विवेकानंद

गुजरात टाइटन का दमखम, सनराइर्जस... 7 | जाति गणना की घोषणा पर बिहार... 3 | सपा को मिला राजभर समाज... 2

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर याद आया 4PM

सोशल मीडिया पर उठी 4PM चैनल की बहाली की मांग

» पक्ष में लोगों के वीडियो की बाढ़ सी आयी

» आप नेता संजय सिंह समेत जाने माने पत्रकार और सोशल एक्टिविस्ट ने की चैनल को बहाल करने की मांग

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हर वर्ष 3 मई को मनाया जाने वाला विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस आज भी मनाया गया। लेकिन कागजों और सरकारी कार्यक्रमों में। हाल की घटनाएं और आकंड़े यह बताने के लिए काफी है कि यदि इस देश में कोई स्वतंत्र होकर पत्रकारिता करेगा तो उस पर सरकारी कार्रवाई तय है। जैसा की 4पीएम के साथ हुआ।

एक बेबाक चैनल, एक निषपक्ष पत्रकार के तीखे सवालों से सरकार बैचेन हुई और उसका गला घोट दिया गया। हालांकि मामला सुप्रीम कोर्ट में है और सभी को न्याय की उम्मीद है। 4पीएम के पक्ष में सिर्फ देश ही नहीं बल्कि सरहदों के दूसरी ओर से भी आवाजे बुलंद होने लगी है। खुद एलन मास्क का ग्रोक चीख कर बता रहा है कि सरकार मानहानि, राजद्रोह, और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे आरोपों का उपयोग आलोचना करने वाले पत्रकारों के खिलाफ करती है।

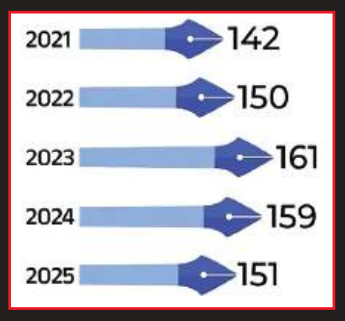

2021-2025 प्रेस फ्रीडम में भारत की रैंकिंग

2025 प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में प्रमुख देशों की रैंकिंग

देश	रैंकिंग
नॉर्वे	1
ब्रिटेन	20
अमेरिका	57
इजराइल	112
भारत	151
भूटान	152
पाकिस्तान	158
रूस	171
अफगानिस्तान	175
चीन	178
उत्तर कोरिया	179
इरीट्रिया	180

मीडिया की रक्षा जरूरी

आप सांसद संजय सिंह ने कहा है कि इन घटनाओं से स्पष्ट है कि भारत में पत्रकारों और मीडिया संस्थानों पर दबाव बढ़ रहा है। स्वतंत्र रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को कानूनी कार्रवाइयों, सेंसरशिप और अन्य प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए खतरा है, क्योंकि स्वतंत्र मीडिया ही जनता की आवाज़ बनता है और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 2025 के अवसर पर, यह आवश्यक है कि हम भारत में मीडिया की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाएं। सरकार को चाहिए कि वह पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, सेंसरशिप को समाप्त करे और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करे। केवल तभी हम एक सशक्त और लोकतांत्रिक समाज की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

हाल की घटनाएं और सरकारी कार्रवाइयां

4 पीएम यूट्यूब चैनल का बंद होना:- सरकार द्वारा बिना पूर्व सूचना के 4पीएम जैसे यूट्यूब चैनलों को बंद कर दिया गया जिससे स्वतंत्र पत्रकारिता पर सवाल उठे।

राफेल सैटर का ओसीआई रद्दः- अमेरिकी पत्रकार राफेल सैटर का ओवरसीज सिटीजनशिप ऑफ इंडिया स्टेटस रद्द कर दिया गया क्योंकि उन्होंने एक भारतीय साइबर सुरक्षा कंपनी एपिन और उसके सह-संस्थापक रजत खरे की आलोचना की थी। सैटर ने दावा किया था कि एपिन भाड़े पर हैकिंग नेटवर्क के रूप में कार्य कर रही है जो वैश्विक स्तर पर राजनेताओं, सैन्य अधिकारियों और व्यवसायिक नेताओं को निशाना बना रही है।

सोशल मीडिया पर सेंसरशिपः- एलन मस्क की कंपनी एक्स ने भारत सरकार के खिलाफ सेंसरशिप के आरोप में मुकदमा दायर किया है जिसमें सरकार पर सेंसरशिप पोर्टल के माध्यम से सामग्री हटाने का आरोप लगाया गया।

4PM सभी का चैनल है

जाकिर अली त्यागी कहते हैं कि हाल ही में सरकार ने 1 करोड़ सब्सक्राइबर वाले यूट्यूब चैनल 4पीएम पर रोक लगा दी है। चैनल को बंद कर दिया है, मैं देश के लोगों को बता देना चाहता हूं कि 4पीएम आपका अपना चैनल है जो गरीबो, शोषितों और वंचितों के लिए रिपोर्टिंग करता रहा है। यह चैनल एडिटर संजय शर्मा का नहीं बल्कि हम सबका चैनल है इसलिए चैनल की लड़ाई आप लड़े देश के नागरिक को इस चैनल के लिए आवाज उठानी चाहिए वरना वो समय दूर नही जब आपकी आवाज़ों को भी सरकार आसानी से बंद कर देगी।

#रिस्टोर 4PM, अनब्लॉक 4PM के नारों से गूंज रहा है सोशल मीडिया

चिंताजनक है स्थिति

भारत में इस वर्ष प्रेस स्वतंत्रता की स्थिति चिंताजनक रही है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा प्रकाशित वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स 2025 में भारत की रैंकिंग 151वीं रही, जो 2023 में 161वीं थी। यह सुधार सकारात्मक संकेत है, लेकिन यह भी दर्शाता है कि भारत अभी भी प्रेस स्वतंत्रता के मामले में कई देशों से पीछे है।

चैनल का बंद किया जाना लोकतंत्र पर हमला

वरिष्ठ पत्रकार और प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष उमाकांत लखेड़ा ने 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क के समर्थन में खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने मीडिया की स्वतंत्रता पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता व्यक्त की और कहा कि यह लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। उमाकांत लखेड़ा ने 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क के संपादक संजय शर्मा के साथ एक परिचर्चा में भी भाग लिया जहां उन्होंने मौजूदा राजनीतिक हालात और मीडिया की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। परिचर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि मीडिया पर बहुआयामी हमला जारी है और एक संगठित प्रयास हो रहा है कि मीडिया को समाज के लिए खतरनाक बताया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि पत्रकारों को डराने और चुप कराने की कोशिशें लोकतंत्र की नींव को कमजोर करती हैं। उन्होंने पत्रकारों की सुरक्षा के लिए लीगल सेल बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया ताकि पत्रकारों को कानूनी मदद मिल सके और वे स्वतंत्र रूप से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।

सपा को मिला राजभर समाज का साथ, अखिलेश ने किया स्वागत

» सपा प्रमुख बोले- राजभर समाज का सम्मान सपा में सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी का प्रदेश मुख्यालय आज कुछ बदला—बदला सा दिख रहा था। पार्टी के डा. राममनोहर लोहिया सभागार में सुहेलदेव सम्मान स्वाभिमान पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर श्री सुहेल देव सम्मान स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र राजभर मौजूद थे। बैठक को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी में सभी को सम्मान मिलता है। राजभर समाज का सम्मान समाजवादी पार्टी में ही सुरक्षित है।

सपा प्रमुख ने कहा कि किसानो, गरीबों, नौजवानों और पीडीए का भविष्य समाजवादी पार्टी में है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने शिक्षा-स्वास्थ्य समेत सभी को बर्बाद कर दिया है। सब कुछ महंगा कर दिया। हर वर्ग परेशान है। समाजवादी सरकार बनने पर उत्तर प्रदेश में महिलाओं को फिर से पेंशन दी जायेगी। नौजवानों को नौकरी रोजगार मिलेगा, किसानों को सुविधायें दी जायेंगी। उत्तर प्रदेश की खुशहाली के लिए पीडीए सरकार जरूरी है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की लड़ाई बड़ी है। पीडीए की एकजुटता बनाए रखना है। पीडीए को हक और सम्मान दिलाना समाजवादियों का पुराना एजेंडा है।

जो सुझाव मिले हैं उस पर काम करेंगे

अखिलेश यादव ने कहा कि सुहेल देव स्वाभिमान सम्मान पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जो सुझाव दिए हैं समाजवादी पार्टी उसपर अमल करेगी। उन्होंने कहा कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर देश के सबसे सुन्दर गोमती रिवर फ्रंट पर वीर योद्धा महाराजा सुहेलदेव की मूर्ति लगवाई जाएगी और सम्मान किया जाएगा। उनके शौर्य के अनुरूप अष्टधातु की विशाल तलवार भी होगी जो सोने की तरह चमकेगी। महाराजा सुहेलदेव वीर योद्धा थे।

भाजपा का तेल निकाल दिया हमने

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी की ही तरह इस पार्टी और महेन्द्र राजभर के समाज के लोग जातिगत जनगणना के पक्ष में है। ये लोग भी चाहते थे कि जातीय जनगणना हो और जनसंख्या के हिसाब से हक और सम्मान मिले। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में इनके समाज ने भरपूर मदद की। बलिया से लेकर घोसी, चंदौली, प्रयागराज, सलेमपुर तक समाजवादियों ने भाजपा का तेल निकाल दिया। इसी तरह से विधानसभा चुनाव में हम सब मिलकर भाजपा का तेल निकाल देंगे।

बीजेपी को उखाड़ फेंकने का संकल्प

इस अवसर पर राजभर समाज के सभी नेताओं ने संकल्प लिया कि पीड़ति, दु:खी, अपमानित पीडीए के साथ रहेंगे। राजभर समाज के लोग गांव-गांव घर-घर जाकर पीडीए के जननायक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए एक-एक वोट 2027 के विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर देने का काम करेगा। राजभर समाज ने अखिलेश यादव के नेतृत्व में अपना भरोसा जताते हुए कहा कि राजभर समाज पूरी निष्ठा से पीडीए की सरकार बनाने में मदद करेगा।

बोले महेन्द्र राजभर, भ्रष्टाचारी है भाजपा

बैठक को सम्बोधित करते हुए सुहेल देव सम्मान स्वाभिमान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि महेन्द्र राजभर ने कहा कि भाजपा सरकार में हर स्तर पर भ्रष्टाचार है। अराजकता है। किसान, नौजवान, व्यापारी, शिक्षक समाज का हर वर्ग पीड़ति और अपमानित है। महंगाई ने लोगों का जीवन मुश्किल कर दिया है। गरीबों को श्री अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने का इंतजार है। प्रदेश में समाजवादी सरकार बनने पर गरीबों को आवास, नौकरी समेत अन्य सुविधाएं मिलेंगी।

जाति जनगणना सामाजिक न्याय का पहला कदम : तेजस्वी

» तेजस्वी के पत्र में आरोपों की बौछार, अपने दम पर बिहार सरकार ने कराई थी जातिगत जनगणना

» केन्द्र सरकार ने कदम—कदम पर धोखा दिया और परेशान किया था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूव उप—मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पीएम नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने लिखा है कि देश भर में जाति जनगणना कराने की आपकी सरकार की हाल की घोषणा के बाद मैं आज आपको सतर्क आशावाद की भावना के साथ लिख रहा हूं।

वर्षों से आपकी सरकार और एनडीए गठबंधन ने जाति जनगणना की मांग को विभाजनकारी और अनावश्यक बताकर खारिज कर दिया था। जब बिहार ने अपने संसाधनों से जाति सर्वेक्षण कराने की पहल की, तो केंद्रीय सरकार और उसके शीर्ष कानून अधिकारी ने हर कदम पर बाधाएं खड़ी कीं। आपकी पार्टी के सहयोगियों ने इस तरह के डेटा संग्रह की आवश्यकता पर ही सवाल उठाया था।

तेजस्वी यादव ने लिखा है कि अनेक प्रकार कि फूह? और अशोभनीय टिप्पणियां कि गईं। आपका विलंबित निर्णय उन नागरिकों की मांगों की व्यापकता को स्वीकार करता है जिन्हें लंबे समय से हमारे समाज के हाशिये पर रखा गया है। बिहार के जाति सर्वेक्षण ने जिसमें पता चला कि ओबीसी और ईबीसी हमारे राज्य की आबादी का लगभग 63त्न हिस्सा हैं, यथास्थिति बनाए रखने के लिए फैलाए गए कई मिथकों को तोड़ दिया। इसी तरह के पैटर्न देश भर में सामने आने की संभावना है। मुझे यकीन है कि यह खुलासा कि वंचित समुदाय हमारी आबादी का अधिकांश हिस्सा होने के बावजूद हर जीवन क्षेत्र में कम प्रतिनिधित्व रखते हैं एक लोकतांत्रिक जागरण पैदा करेगा।

तेजस्वी यादव ने अपने पत्र में आगे लिखा है कि जाति जनगणना कराना सामाजिक न्याय की लंबी यात्रा का पहला कदम मात्र है। जनगणना के आंकड़ों से सामाजिक सुरक्षा और आरक्षण के दायरे को आबादी के अनुरूप बढ़ाने का ध्येय भी इस प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। एक देश के रूप में हमारे पास आगामी परिसीमन में कई प्रकार के अन्याय को ठीक करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है। निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण जनगणना के आंकड़ों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। ओबीसी और ईबीसी का निर्णय लेने वाले संस्थानों में पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए विशेष प्रावधान किए जाने चाहिए। राज्य विधानसभाओं और भारत की संसद में आनुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत के आधार पर इन वंचित समूहों को सम्मिलित किया जाना होगा।

आतंकवाद को कुचलने के लिए कांग्रेस, सरकार के साथ : तिवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में प्रस्ताव पारित होने पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि हम पहले भी कह चुके हैं और आज भी कहते हैं कि हम आतंकवाद को कुचलने के लिए भारत सरकार के साथ है और उन्हें पूरा समर्थन है।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हुई आतंकी घटना को बारह दिन हो चुके हैं। मैंने कानपुर में उस पीड़ति से मुलाकात की, जिसके सामने आतंकियों ने उसके पति को मार दिया। आज मेरे साथ पूरा देश न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है।

हम इस कायरतापूर्ण कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने की मांग करते हैं। हम दोहराते हैं कि हम आतंकवाद को खत्म करने और ऐसी घटनाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए किसी भी कदम का पूरा समर्थन करते हैं।

जाति जनगणना पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की ओर से पीएम मोदी को लिखे पत्र पर उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता है कि उन्होंने क्या लिखा है। लेकिन, राहुल गांधी ने इस पर साफ तौर पर कहा है कि इसे निश्चित समयसीमा पर लागू कर देना चाहिए। हम सभी चाहते हैं कि जल्द से जल्द जाति-जनगणना होनी चाहिए। विकास की मुख्यधारा से जो वर्ग पीछे छूट गया है, उसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

विपक्ष का समर्थन सरकार को

कांग्रेस पर पीएम मोदी की ओर से दिए गए बयान पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि मुझे बहुत दुख हुआ है। मेरे दिल को चोट पहुंची है। मेरी नजर में पूर्व पीएम की जो छवि बनी हुई है पीएम मोदी उसमें दूर-दूर तक नहीं हैं। केरल में उन्होंने वैसा व्यवहार नहीं किया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी घटना हुई। देश आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा था। ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई गई। पूरा विपक्ष केंद्र सरकार को अपना समर्थन दे रहा था, तब पीएम मोदी बिहार के दौरे पर जाते हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि इस वक्त आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने से ज्यादा बिहार कैसे महत्वपूर्ण हो सकता है।

सावधान ! आज भी बिगड़ा रहेगा मौसम का मिजाज

» मौसम विभाग ने जारी किया एलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। बीते 24 घंटों में कई राज्यों में तेज आंधी और बारिश ने गर्मी से राहत तो दी लेकिन इसके साथ ही जानमाल का नुकसान भी हुआ है। आज तड़के तेज आंधी और मूसलधार बारिश के कारण कम से कम आठ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है जिनमें से चार मौतें राजधानी दिल्ली में हुई हैं।

इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने नया वेदर फोरकास्ट जारी किया है, जिसमें शनिवार को भी हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। वहीं, जम्मू-कश्मीर के रामबन क्षेत्र के चंबा सेरी में भूस्खलन के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) बंद कर दिया गया। दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों में आज आंशिक रूप से बादल छाए रहने और धूल भरी आंधी के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। आईएमडी ने दिल्ली-एनसीआर के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों को तेज हवाओं और अचानक मौसम परिवर्तन से सतर्क रहने की सलाह दी है।

जाति गणना की घोषणा पर बिहार में सियासी वार

विपक्ष ने टाइमिंग को लेकर भाजपा पर उठाए सवाल

- राजद व जदयू में क्रेडिट पर तकरार
- तेजस्वी ने कहा कि अभी लड़ाई की शुरुआत है
- जाति गणना की टाइमिंग को लेकर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जातिगत जनगणना करवाने के केंद्र के फैसले के बाद से पूरे देश में तो राजनीति तो गरमाई हुई है। पर बिहार में कुछ ज्यादा ही सियासी उठापटक जारी है। राजद, जदयू, लोजपा से सुराज पार्टी तक ने जहां इस फैसले का स्वागत किया है। वहीं तेजस्वी यादव, लालू यादव व नीतीश कुमार ने क्रेडिट लेने में अपने को सबसे आगे कर दिया है।

हालांकि इस फैसले की टाइमिंग को लेकर भाजपा व पीएम मोदी विपक्ष के निशाने पर जरूर आ गए हैं। इस पर वार पलटवार भी शुरू हो गया है। राजद नेता ने कहा कि उच्च मानसिकता के समता विरोधी संकीर्ण व नकारात्मक संघी/भाजपाई इस पर भी हमें गाली देंगे लेकिन बाद में बेशर्म हमारे ही एजेंडे को अपना मास्टर स्ट्रोक कहेंगे। कितने खोखले लोग है ये? बिहार में जाति जनगणना को लेकर राजनीतिक वाकयुद्ध बढ़ता जा रहा है। विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा मजबूरी में लिया गया निर्णय बताया है। इसके साथ ही उन्होंने एक्स पर लिखा कि जातिगत जनगणना तो शुरुआत है, पिक्चर अभी बाक़ी है। उन्होंने आगे लिखा कि पिछड़ों/अति पिछड़ों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र, निजी क्षेत्र में आरक्षण, ठेकेदारी में आरक्षण, न्यायपालिका में आरक्षण, मंडल कमीशन की शेष सिफारिशों को लागू करेंगे, आबादी के अनुपात में आरक्षण देंगे, बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा, बिहार के लिए विशेष पैकेज।

जनता के बढ़ते दबाव का नतीजा है ये फैसला : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने कहा कि यह कदम भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की स्वैच्छिक पहल नहीं है, बल्कि यह जनता के बढ़ते दबाव का नतीजा है। तेजस्वी ने कहा, यह कोई फैसला नहीं है, यह मजबूरी है। उनके पास कोई विकल्प नहीं बचा था। हम इस मुद्दे को सालों से उठा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, भले ही उन्होंने जनगणना की घोषणा कर दी हो, लेकिन अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि यह कब शुरू होगी। और इसे परिसीमन प्रक्रिया से पहले पूरा किया जाना चाहिए ताकि लोकसभा और

विधानसभा सीटों का आवंटन अद्यतन आंकड़ों के आधार पर किया जा सके। इस बीच, बिहार कांग्रेस के नेताओं ने तेजस्वी यादव की भावना को दोहराया और जाति जनगणना के फैसले का श्रेय लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के प्रयासों को दिया। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार राम ने राहुल गांधी की तस्वीर पर दूध चढ़ाकर प्रतीकात्मक रूप से अपनी बात रखी और कहा, जिसकी जितनी संख्या, उसका उतना हिस्सा के नारे ने देश में सामाजिक समानता की उम्मीद जगाई है।

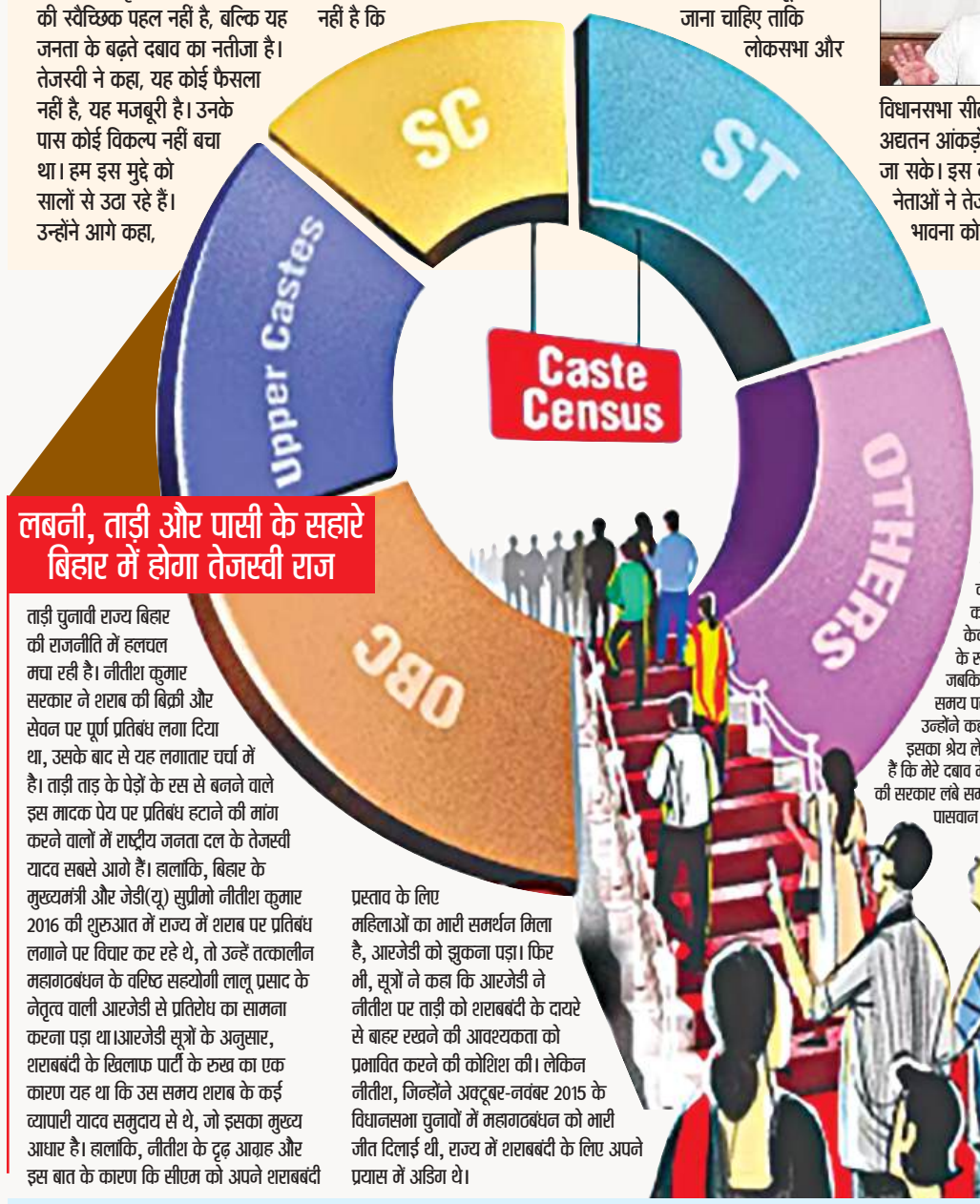

लबनी, ताड़ी और पासी के सहारे बिहार में होगा तेजस्वी राज

ताड़ी चुनावी राज्य बिहार की राजनीति में हलचल मचा रही है। नीतीश कुमार सरकार ने शराब की बिक्री और सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था, उसके बाद से यह लगातार चर्चा में है। ताड़ी ताड़ के पेड़ों के रस से बनने वाले इस मादक पेय पर प्रतिबंध हटाने की मांग करने वालों में राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव सबसे आगे हैं। हालांकि, बिहार के मुख्यमंत्री और जेडी(यू) सुप्रीमो नीतीश कुमार 2016 की शुरुआत में राज्य में शराब पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे थे, तो उन्हें तत्कालीन महागठबंधन के वरिष्ठ सहयोगी लालू प्रसाद के नेतृत्व वाली आरजेडी से प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था।आरजेडी सूत्रों के अनुसार, शराबबंदी के खिलाफ पार्टी के रुख का एक कारण यह था कि उस समय शराब के कई व्यापारी यादव समुदाय से थे, जो इसका मुख्य आधार है। हालांकि, नीतीश के दृढ़ आग्रह और इस बात के कारण कि सीएम को अपने शराबबंदी प्रस्ताव के लिए महिलाओं का भारी समर्थन मिला है, आरजेडी को झुकना पड़ा। फिर भी, सूत्रों ने कहा कि आरजेडी ने नीतीश पर ताड़ी को शराबबंदी के दायरे से बाहर रखने की आवश्यकता को प्रभावित करने की कोशिश की। लेकिन नीतीश, जिन्होंने अक्टूबर-नवंबर 2015 के विधानसभा चुनावों में महागठबंधन को भारी जीत दिलाई थी, राज्य में शराबबंदी के लिए अपने प्रयास में अडिग थे।

चिराग पासवान ने की जमकर तारीफ, कांग्रेस व राहुल पर बरसे

केंद्रीय मंत्री और लोजपा (आरवी) नेता चिराग पासवान ने जाति जनगणना की घोषणा के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की। पासवान ने इस फैसले का श्रेय लेने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की और कहा कि विपक्ष ने इसे केवल राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जबकि पीएम मोदी ने सही समय पर सही फैसला लिया। उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी इसका श्रेय लेना चाहते हैं और कह रहे हैं कि मेरे दबाव में ऐसा हुआ। आपकी पार्टी की सरकार लंबे समय तक केंद्र में रही। पासवान ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर

निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी की बात तो छोड़िए, आपके परिवार से तीन प्रधानमंत्री हुए हैं। अगर आप देश में जाति आधारित जनगणना कराना चाहते थे तो आपको पहले ही करवा लेना चाहिए था। लेकिन आपने इसे राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया और लोगों की भावनाओं को भड़काने का ही काम किया। आज हमारी सरकार ने इस मांग को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि मेरे प्रधानमंत्री सही समय पर सही फैसले लेने के लिए जाने जाते हैं। विपक्ष कह रहा है कि हमने यह फैसला बिहार चुनाव को देखते हुए लिया है, लेकिन अगर यह फैसला चुनाव के नजरिए से लेना होता तो हम यह फैसला लोकसभा चुनाव से पहले ले लेते।चिराग पासवान ने कहा कि हमने यह निर्णय लिया है और अभी और काम करना बाकी है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिन पर हमें काम करना है। मेरे प्रधानमंत्री निश्चित रूप से हर वह निर्णय लेंगे जो देश की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक फैसला है और इसके लिए मैं अपनी पार्टी लोक जनशक्ति (रामविलास) की तरफ से अपने प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देता हूं। आज मेरे प्रधानमंत्री जी ने हमारी वो मांग पूरी कर दी है जो लंबे समय से लंबित थी। लोग अक्सर कहते थे कि लोजपा और भाजपा दो अलग-अलग रास्ते पर हैं।

नीतीश ने किया पीएम का धन्यवाद

बिहार के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद करते हुए लिखा कि जाति जनगणना कराने का केंद्र सरकार का फैसला स्वागतयोग्य है। जाति जनगणना कराने की हमलोगों की मांग पुरानी है। यह बेहद खुशी की बात है कि केन्द्र सरकार ने जाति जनगणना कराने का निर्णय किया है। उन्होंने आगे कहा कि जाति जनगणना कराने से विभिन्न वर्गों के लोगों की संख्या का पता चलेगा जिससे उनके उत्थान एवं विकास के लिए योजनाएँ बनाने में सहूलियत होगी। इससे देश के विकास को गति मिलेगी। जाति जनगणना कराने के फैसले के लिए माननीय प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी का अभिनंदन तथा धन्यवाद। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि यह बहुत बड़ा और ऐतिहासिक फैसला है और इसके लिए मैं अपनी पार्टी लोक जनशक्ति (रामविलास) की ओर से अपने पीएम को धन्यवाद देता हूं। आज मेरे पीएम ने हमारी मांग पूरी की है जो लंबे समय से लंबित थी। लोग अक्सर कहते थे कि लोजपा और भाजपा दो अलग-अलग रास्तों पर हैं। यूपी के उपमुख्यमंत्री ने कहा,केवल पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ही यह निर्णय ले सकती थी मैं इसका स्वागत करता हूं, यह निर्णय साबित करता है कि भाजपा काम करती है और परिणाम देती है।55 छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय ने कहा, 55अगर केंद्रीय कैबिनेट ने यह फैसला लिया है, तो इसका संचालन किया जाएगा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, मैं नरेंद्र मोदी जी को धन्यवाद और बधाई देता हूं जिन्होंने राष्ट्रीय जनगणना में जाति जनगणना को शामिल करने का फैसला किया है।

सामाजिक न्याय की दृष्टि से उठाया गया उम्दा कदम : मांझी

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की विपक्षी पार्टियां केवल चिल्लाने का काम करती हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काम करके दिखाते हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जातीय जनगणना आने के सवाल पर मांझी ने कहा कि यह एक अच्छी और जरूरी पहल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इसे किसी चुनावी लाभ के नजरिए से नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की दृष्टि से उठाया है। जातीय जनगणना के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि देश के कई राजनीतिक दलों की लंबे समय से यह मांग रही है। एक वर्ष पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सर्वदलीय बैठक कर प्रधानमंत्री से

मुलाकात की गई थी। उस समय प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया था कि यदि राज्य चाहे तो अपने स्तर पर जातीय जनगणना करा सकता है। इसके बाद बिहार सरकार ने जनगणना करवाई और अन्य राज्यों ने भी इस दिशा में कदम उठाया।

जातिगत जनगणना का लाभ तब जब ठीक से उसका उपयोग हो : पीके

राष्ट्रीय जनगणना में जातिगत जनगणना को शामिल किए जाने पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि हमें ऐसी किसी जनगणना या सर्वेक्षण से कोई दिक्कत नहीं है जो समाज की बेहतर समझ देता हो, लेकिन हमने बिहार में देखा है कि केवल जातिगत सर्वेक्षणों से देश की स्थिति में सुधार नहीं होगा, बल्कि यह तभी संभव होगा जब सरकार सर्वेक्षणों से निकले निष्कर्षों के आधार पर काम करेगी। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार के लोग शिक्षा, रोजगार और पलायन जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार न होने के कारण बदलाव चाहते हैं। आज मीडिया से बात करते हुए किशोर ने कहा कि बिहार में एक बात तो तय है- लोग बदलाव चाहते हैं। चाहे वे आरजेडी, बीजेपी, जेडीयू के समर्थक हों या किसी भी जाति या धर्म के हों, वे बदलाव चाहते हैं क्योंकि उन्होंने पिछले 30-35 सालों में सभी पार्टियों के नेताओं को देखा है। शिक्षा, रोजगार और पलायन जैसे बुनियादी मुद्दों पर कोई प्रगति नहीं हुई है। वे दूसरे राज्यों में विकास देखते हैं और ठगा हुआ महसूस करते हैं। राष्ट्रीय जनगणना में जातिगत जनगणना को शामिल किए जाने पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर

ने कहा कि हमें ऐसी किसी जनगणना या सर्वेक्षण से कोई दिक्कत नहीं है जो समाज की बेहतर समझ देता हो, लेकिन हमने बिहार में देखा है कि केवल जातिगत सर्वेक्षणों से देश की स्थिति में सुधार नहीं होगा, बल्कि यह तभी संभव होगा जब सरकार सर्वेक्षणों से निकले निष्कर्षों के आधार पर काम करेगी। किशोर ने सुझाव दिया कि बदलाव अपरिहार्य है, हालांकि इस पर बहस हो सकती है कि इसका नेतृत्व कौन करेगा। उन्होंने कहा, इस पर बहस हो सकती है कि बदलाव का अगुआ कौन होगा। यह जन सुराज हो सकता है। लेकिन एक बात स्पष्ट है कि वे (लोग) बदलाव चाहते हैं। किशोर ने आगे कहा कि जन सुराज 20 मई को बिहार बदलाव यात्रा शुरू करेगा। यात्रा से पहले, पार्टी 11 मई को राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी, जिसमें प्रमुख मुद्दों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विश्वसनीयता को निशाना बनाया जाएगा। किशोर ने कहा, हम बिहार में एक करोड़ लोगों से तीन मुद्दों- जाति जनगणना, दलित महादलित परिवारों को भूमि वितरण और भूमि सर्वेक्षण पर नीतीश कुमार के ट्रैक रिकॉर्ड के बारे में बात करेंगे। जन सुराज अपना पहला बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है, जो इस साल के अंत में होने की उम्मीद है। पार्टी ने पहले उपचुनाव लड़े थे, लेकिन चुनावी प्रभाव छोड़ने में विफल रही। पिछला विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2020 में हुआ था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भ्रष्टाचार रोकने की बातें सिर्फ हवा में उड़ीं

केंद्र और भाजपा शासित राज्यों की सरकारें कितना ही भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने का दावा करें किंतु सच्चाई इसके वितरीत है। एक सर्वे में दावा किया गया है कि 100 में से 66 लोगों को अपना काम कराने के लिए सरकारी तंत्र को रिश्वत देनी पड़ती है किंतु सच्चाई इसके विपरीत है। शायद ही कोई विभाग ऐसा होगा जहां बिना रिश्वत दिए काम हो जाए। सब जगह हालत बहुत खराब है।

पीएम मोदी व राज्यों की बीजेपी सरकारों के भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बातें सिर्फ हवा-हवाई ही साबित हो रहीं हैं। सरकारी एजेंसियों के साथ काम करते समय कंपनियों के काम जानबूझ कर रोके जाते हैं और रिश्वत लेने के बाद ही फाइल को मंजूरी दी जाती है। सीसीटीवी कैमरों लगाने से सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार कम नहीं हुआ है। केंद्र और भाजपा शासित राज्यों की सरकारें कितना ही भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने का दावा करें किंतु सच्चाई इसके वितरीत है। एक सर्वे में दावा किया गया है कि 100 में से 66 लोगों को अपना काम कराने के लिए सरकारी तंत्र को रिश्वत देनी पड़ती है किंतु सच्चाई इसके विपरीत है। शायद ही कोई विभाग ऐसा होगा जहां बिना रिश्वत दिए काम हो जाए। सब जगह बहुत खराब है। गैर भाजपा राज्यों की तरह भाजपा शासित राज्यों में भी प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचर का बोलबाला है। सरकारें मौन हैं।

देश में केंद्र और राज्य सरकारें कारोबार में सहूलियत और निजी क्षेत्र के निवेश में तेजी लाने पर जोर दे रहीं हैं। वहीं भ्रष्ट सरकारी मशीनरी अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल कंपनियों और उद्यमियों से अवैध तरीके से पैसे उगाहने में लगी हैं, जिसके चलते देश में उद्यमिता को बढ़ावा देने की सिंगल विंडो क्लियरेंस और ईज आफ डुइंग बिजनेस जैसे प्रयासों को पलीता लग रहा है। कंपनियों ने दावा किया कि उन्होंने सप्लायर क्वॉलीकेशन, कोटेशन, ऑर्डर प्राप्त करने तथा भुगतान के लिए रिश्वत दी है। लोकल सर्कल्स की रिपोर्ट के अनुसार कुल रिश्वत का 75 प्रतिशत कानूनी, माप-तौल, खाद्य, दवा, स्वास्थ्य आदि सरकारी विभागों के अधिकारियों को दी गई। जांच रिपोर्ट कहती है कि कई कारोबारियों ने जीएसटी अधिकारियों, प्रदूषण विभाग, नगर निगम और बिजली विभाग को रिश्वत देने की भी सूचना दी है। पिछले 12 महीनों में जिन कंपनियों ने रिश्वत दी, उनमें से 54 प्रतिशत को ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया, जबकि 46 प्रतिशत ने समय पर काम पूरा करने के लिए भुगतान किया। इस तरह की रिश्वत जबरन वसूली के बराबर है। सरकारी एजेंसियों के साथ काम करते समय कंपनियों के काम जानबूझ कर रोके जाते हैं और रिश्वत लेने के बाद ही फाइल को मंजूरी दी जाती है। सीसीटीवी कैमरों लगाने से सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार कम नहीं हुआ है। सर्वे में दावा किया गया है कि सीसीटीवी से दूर, बंद दरवाजों के पीछे रिश्वत दी जाती है। पुराने लोग कहते हैं कि भ्रष्टाचार ऊपर से नीचे जाता है, किंतु अब ऐसा नहीं है। अब ऊपर की न शिकायते मिलती हैं न चर्चाएं किंतु नीचे तो सब और लूट के द्वार खुलें हैं। कहीं भी जाइए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मीडिया की आजादी को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चुनौती

चेतनादित्य आलोक

किसी भी देश अथवा समाज में स्वतंत्र मीडिया के बिना स्वस्थ लोकतंत्र को सुनिश्चित कर पाना संभव नहीं हो सकता, क्योंकि मीडिया वास्तव में लोकतंत्र का प्रहरी होता है। लोकतंत्र का ही क्यों, मीडिया तो राष्ट्र, मानवीय सभ्यता और संस्कृति, यहां तक कि मानवता का भी रक्षक होता है। आश्चर्य नहीं कि समय-समय पर भारत एवं दुनिया भर में मीडिया ने अपनी भागीदारी एवं भूमिकाओं से इसे सही साबित भी किया है। यही कारण है कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। समय बीतने के साथ-साथ मीडिया ने अपने पिछले अनुभवों के आधार पर अपनी भागीदारी एवं भूमिकाओं में अपेक्षित परिवर्तनों के साथ विस्तार दिया है। मीडिया के कार्य करने का मुख्य आधार च्जनपक्षधरताज् और इसका प्रधान उद्देश्य च्जनता में जागृतिज लाना होता है और इन्हीं दोनों कारणों से मीडियाकर्मियों यानी पत्रकारों के लिए बिना रोक-टोक, विरोध और अड़चन के अपने कार्यों का निष्पादन कर पाना कभी भी सहज नहीं रहा है।

दरअसल, जनपक्षधरता और जनता में जागृति लाने का कार्य अत्यंत जोखिम भरा होता है। इसीलिए दुनिया भर में प्राय: पत्रकारिता को बेहद जोखिम भरा कार्य माना जाता है। दुर्भाग्य से, दिनोंदिन जोखिम बढ़ने के कारण विश्व भर के लोकतांत्रिक देशों में पत्रकारों के लिए निष्पक्ष रहकर कार्य कर पाना लगातार मुश्किल और जोखिम भरा होता जा रहा है। कई बार अपने कार्यों का निष्पादन करते हुए पत्रकारों को अपनी जान भी गंवानी पड़ती है। अब तक विश्व भर से ऐसे कई उदाहरण सामने आ भी चुके हैं। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2006 से 2020 के बीच दुनिया भर में 1,200 से अधिक मीडिया पेशेवरों की हत्या कर दी गई। इनमें से 90 प्रतिशत मामलों में उनके हत्यारे दंडित नहीं किए जा सके। इसके बावजूद, पत्रकारिता के मानदंडों पर खरे उतरते हुए पत्रकार सत्य को उजागर करने की अपनी जिम्मेदारी निभाने को लेकर अपनी जान को जोखिम में डालने से भी नहीं हिचकते।

अपनी जिंदगी को खतरे में डालकर कार्य करने वाले पत्रकारों की आवाज को कोई भी ताकत दबा न सके और उनके निष्पक्ष और सशक्त अभियानों पर कोई भी व्यक्ति, संस्थान या सरकार अंकुश न लगा सके, इसके लिए उनकी स्वतंत्रता बहुत जरूरी और अहम है। जाहिर है कि यदि वे स्वतंत्र नहीं रहेंगे तो अपने कार्यों को निष्पक्ष रहते हुए अच्छे ढंग से नहीं कर पाएंगे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्रेस की स्वतंत्रता

के मूलभूत सिद्धांतों का पालन करने तथा पत्रकारों की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवसज् मनाया जाता है। यह दिन उन पत्रकारों को स्मरण और सम्मानित करने तथा श्रद्धांजलि देने के लिए भी मनाया जाता है, जिन्होंने सत्य को उजागर करने की कीमत अपनी जान देकर चुकाई है अथवा जिन्होंने देश-दुनिया में अपनी पत्रकारिता के दम पर अपना नाम बनाया और एक मुकाम हासिल किया है। प्रतिवर्ष रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) द्वारा प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक नामक एक वैश्विक सूची प्रकाशित की जाती है। इस सूची में विश्वभर के पत्रकारों को कार्य करने की उपलब्ध स्वतंत्रता के आधार पर देशों की रैंकिंग प्रस्तुत की जाती है। बता दें कि प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक रिपोर्ट 2024 में भारतीय पत्रकारों को लेकर चिंताजनक रुझान दिखाई दिए हैं। दरअसल, 2024 के इस सूचकांक में भारत विश्व भर के 180 देशों में 159वें स्थान पर मौजूद है, जो पिछली रिपोर्ट से भी नीचे है। रिपोर्ट में मीडिया स्वामित्व संकेन्द्रण, पत्रकारों का उत्पीड़न और इंटरनेट शटडाउन जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है। गौरतलब है कि विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए यूनेस्को की ओर से प्रत्येक वर्ष एक वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। इस वैश्विक सम्मेलन में सामान्यत: पत्रकारों, मीडिया नेताओं, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी होती है। बता दें कि 2025 में यह सम्मेलन 5 से 7 मई तक ब्रूसेल्स में आयोजित होने वाला है, जिसमें पत्रकारिता में एआई की परिवर्तनकारी भूमिका और मीडिया स्वतंत्रता के लिए इसके निहितार्थों पर ध्यान केंद्रित किया जाना है। यूनेस्को द्वारा वर्ष 2025 के लिए विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की थीम च्रिपोर्टिंग इन द ब्रेव न्यू वर्ल्ड - द इम्पैक्ट ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑन प्रेस फ्रीडम एंड द मीडिया घोषित की गई है।

इस थीम का उद्देश्य आधुनिक पत्रकारिता में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डालना है। गौरतलब है कि इस थीम के माध्यम से विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 2025 के अवसर पर तेजी से एआई-विनियमित डिजिटल वातावरण के भीतर मानव अधिकारों की रक्षा करने की तत्काल आवश्यकताओं पर जोर दिये जाने की संभावना है।

आईटी क्षेत्र के रोजगारों पर मंडराता नया जोखिम

मधुरेन्द्र सिन्हा

टेक्नोलॉजी की एक खासियत होती है कि उसमें नई-नई खोजें और इनोवेशन होती रहती हैं। अगर ऐसा न हो तो वह मृतप्राय हो जायेगी। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के बारे में यह बात पूरी तरह लागू होती है और इसमें लगातार इनोवेशन होती रही हैं। इससे यह विधा और भी निखरती गई। लेकिन अब इसमें जो बदलाव और खोजें होती जा रही हैं वे डराने वाली हैं। इससे फायदे तो बहुत हैं लेकिन मानव श्रम को यह सिमटा देगी। यानी परंपरागत रोजगार के क्षेत्र में यह नकारात्मक रोल निभाएगी। दुनिया भर में लाखों लोग अपनी नौकरियों से हाथ धो बैठेंगे। यह सब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई के कारण होगा जिसे इस सदी की सबसे बड़ी खोज माना जा रहा है। यह मानव की इतनी ज्यादा सहायता करेगी कि इससे संबंधित क्षेत्र में मैनपॉवर की भारी कटौती हो जायेगी।

आईटी कंपनियां इस समय पसोपेश में हैं और वे वक्त की नजाकत भांपने का प्रयास कर रही हैं। भारत आईटी सोर्सिंग का दुनिया का सबसे बड़ा केन्द्र है और यहां की कंपनियां इसका फायदा उठा रही हैं तथा बड़े पैमाने पर रोजगार भी दे रही हैं। अब यहां एआई की धमक साफ दिख रही है। भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस ने अपने कर्मचारियों या यूं कहें कि आईटी प्रोफेशनल्स की सैलरी बढ़ोतरी पर रोक लगा दी है। कंपनी अमेरिका तथा चीन में एआई के बढ़ते उपयोग की समीक्षा कर रही है। देख रही है कि वहां इसका कितना उपयोग होता है और हमें उससे कितना नफा-नुकसान होगा। सभी आईटी कंपनियां ही नहीं बल्कि बड़ी-बड़ी अन्य कंपनियां भी एआई के पूरी तरह से कार्यान्वित होने का इंतजार कर रही हैं जिसकी खूबी है कि वह कई-कई लोगों का काम कर लेती है। इसके आने के बाद क्या होगा, इस बारे अभी अंदाजा ही लगा सकते हैं। हमारी आईटी कंपनियां ज्यादातर बैक एंड के रूप में काम करती हैं और विदेशी कंपनियों के ऑर्डर पर निर्भर रहती हैं। उन्हें बहुत तरह के ऑर्डर मिलते हैं लेकिन ये सभी हाई एंड नहीं होते। इनमें से बहुत से काम ऐसे मिलते हैं जिनके लिए ज्यादा टैलेंट की जरूरत नहीं है। सामान्य से सॉफ्टवेयर इंजीनियर उसे करते हैं और उनकी तादाद बहुत ज्यादा होती है। भारतीय आईटी कंपनियों में ज्यादातर कर्मी इसी प्रकार के होते हैं जिनकी नौकरियों पर अब एआई के कारण खतरा मंडरा रहा है।

एक्सपर्ट्स मानते हैं कि एआई के कारण कई तरह के जॉब्स खतरे में पड़ जायेंगे क्योंकि वह उन्हें बड़ी सफाई और बहुत तेजी से करने में समर्थ होती है। इंडियाटेक के एमडी रमेश कैलासम बताते हैं कि ये छोटे-छोटे जॉब्स चले ही जाएंगे क्योंकि एआई बहुत आसानी से यह सब कर देगा। आईटी कंपनियों में कई ऐसे जॉब्स हैं जो निचले लेवल के कर्मचारी करते हैं। इन्हें एआई आसानी से कर लेगा। वह इसके लिए कोडिंग का उदाहरण देते हैं जिसे इन कंपनियों में सॉप्टवेयर इंजीनियर करते हैं लेकिन एआई बड़ी आसानी से यह कर लेगा। वहीं, बहुत से टास्क ऐसे हैं जो कम समय व खर्च में एआई कर सकता है। ऐसे में विदेशी कंपनियों से इस तरह के जॉब्स के ऑर्डर बंद होने का खतरा मंडरा रहा है।

वहीं उनका कहना है कि जब भारत में कंप्यूटरीकरण शुरू हुआ था तो ऐसे ही हालात थे और कहा जा रहा था कि बड़े पैमाने पर बेरोजगारी फैलेगी क्योंकि लोग निकाले जायेंगे। कुछ समय तक ऐसा लगा लेकिन बाद में कंप्यूटरीकरण की वज़ह से लाखों नये रोजगार सृजित हुए और देश ने तरक्की की। आने वाले समय में एआई भी ऐसे ही हालात पैदा करेगी। हमारी कंपनियों और यहां तक कि सरकार को भी प्रयास करना होगा कि कैसे रोजगार बढ़े। एमएनसी निवेश बैंक और वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी मोरगैन स्टेनली का कहना है कि यह संक्रमण का दौर है। ऐसे दौर पहले भी आये थे और उनका मुकाबला किया गया। 2016-17 में भी ऐसा हुआ था और अभी उसी दौर से हम गुजर रहे हैं। आईटी सेक्टर पर इसका असर ज्यादा पड़ रहा है और उनके प्रॉफिट में या तो कमी आ रही है या फिर वे स्थिर हैं। यह उनके लिए चिंता का विषय है। एक और महत्वपूर्ण तथ्य है कि इस समय वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका मंदी के दौर से गुजर रही है। नये राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के अनुदारवादी कदमों से वहां की अर्थव्यवस्था पर भारी असर पड़ रहा है। इस सबसे न तो दुनिया और न ही भारत अछूता रह सकता है। इसका सबसे बड़ा असर हमारी आईटी इंडस्ट्री पर पड़ रहा है और आगे भी पड़ेगा क्योंकि हम सबसे बड़े आईटी सपोर्ट प्रदाता हैं।

हमारी यह इंडस्ट्री विदेश, खासकर अमेरिका पर बहुत ज्यादा निर्भर है। इसके अलावा दुनियाभर में युद्ध के जो हालात हैं वे भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को मंदी की ओर धकेल रहे हैं। इन सभी का असर आईटी इंडस्ट्री पर पड़ रहा है। उनके शेयरों की स्थिति यही बयान कर रही है। इनमें पिछले कुछ वर्षों से कोई तेजी नहीं आ रही है और वे नीचे की ओर ही जाते दिख रहे हैं। उन्हें अपने लाभ के बारे में किसी भी तरह का अनुमान लगाने में जोखिम दिख रहा है। यानी राजस्व के मामले में एक तरह की अनिश्चितता है। यह एक बड़ा कारण है कि कई आईटी कंपनियां अपने कर्मचारियों के वेतन वृद्धि के बारे में बात नहीं कर रही हैं और आने वाले समय में छंटनी ही कर सकती हैं। एआई और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता उनके शेयरों पर असर डाल रही है। इसका खमियाजा शुरुआती दौर में कर्मचारी ही भुगतेंगे।

दूध और गुलाब जल

दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जो मेकअप हटाने के साथ त्वचा को साफ और नमी युक्त बनाता है। गुलाब जल ताजगी देता है। ऐसे में आप इस मिश्रण तैयार करके मेकअप को साफ करें। इसके लिए 2 चम्मच कच्चे दूध में 1 चम्मच गुलाब जल मिलाएं। इसे रुई की मदद से चेहरे पर लग जाए तो इसे करीब 20 मिनट तक लगा रहने दें। जब ये सूख जाए तो इसे नॉर्मल या गुनगुने पानी से धो लें। चेहरा धोकर मॉइस्चराइजर लगा लें। इसके अच्छे रिजल्ट पाने के लिए आप रात में उपयोग कर सकते हैं। दूध और गुलाब जल तैलीय त्वचा के लिए भी काफी लाभदायक होता है। रात को मात्र गुलाब जल लगाकर सोने से ही आपकी त्वचा जल्द ही चमकार हो जाती है। गुलाब जल के हाइड्रेटिंग गुण चेहरे को सुंदर बनाने का काम करते हैं। ये त्वचा के मुंहासे, रूखापन, तेज हवा के कारण त्वचा के विकारों को दूर करने का काम करता है। गुलाब जल को दूध के साथ मिलाकर लगाया जाए तो इससे चेहरे में नमीं बनी रहती है। गुलाब जल और दूध त्वचा के रोम छिद्र से गंदगी को हटाकर उसे मॉइस्चर प्रदान करता है।

मैकअप रिमूवर

घर पर इन चीजों से तुरंत करें तैयार

गर्मी हो या फिर कोई और मौसम सेहत के साथ ही चेहरे का ख्याल भी आपको रखना जरूरी होता है। चेहरे की देखभाल करने के लिए आपको कई चीजों को लगाना जरूरी होता है तो वहीं पर स्किन हाईड्रेट रखना भी बेहद जरूरी है। किसी भी फंक्शन के समय हम मेकअप लगाना नहीं भूलते है लेकिन जब इसे हटाने की बारी आती है तो भूल जाते है। मेकअप को रिमूव करने के लिए रिमूवर या क्लींजर की आवश्यकता होती है जिसे हम अक्सर इस्तेमाल करना भूल जाते है। लेकिन कई बार जब हम मेकअप हटाने बैठते हैं, तब देखते हैं कि रिमूवर तो खत्म हो गया। ऐसे समय में भी आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है और न ही तत्काल रिमूवर खरीदने की। घर पर मौजूद कुछ नेचुरल चीजें स्किन पर से मेकअप को रिमूव करने के साथ ही स्किन को ग्लोइंग बनाए रखने में भी मदद कर सकती है।

नारियल तेल और एलोवेरा जेल

यदि आपका मेकअप रिमूवर खत्म हो गया है तो नारियल तेल और एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें। इसके लिए 1 चम्मच नारियल तेल में 1 चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं। इस मिश्रण को रूई की मदद से चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से पोंछें। गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। एलोवेरा स्किन के लिए काफी फायदेमंद होती है। इसमें पाए जाने वाले एंटी-बैक्टीरियल गुण आपके चेहरे को जवां रखने में मदद करते हैं। एलोवेरा जैल में नारियल तेल मिलाकर चेहरे या बालों में लगाने से इसका लाभ दोगुना मिलते हैं। एलोवेरा और नारियल के तेल का पैक लगाने से त्वचा में कसाव आता है। जिससे झुर्रियों की समस्या नहीं होती है।

बादाम तेल और एलोवेरा

बादाम तेल में विटामिन ई होता है, जो त्वचा को मुलायम बनाता है और एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक देता है। 1 चम्मच बादाम तेल में 1 चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं। इस मिश्रण को कॉटन पैड से चेहरे पर लगाकर मेकअप हटाएं।

जैतून का तेल और शहद

जैतून का तेल मेकअप को आसानी से घोल देता है, जबकि शहद त्वचा को पोषण देता है। 1 चम्मच जैतून के तेल में 1 चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। गीले कॉटन पैड से पोंछकर चेहरा धो लें। इसके अलावा जैतून का तेल और शहद आपकी स्किन की झुर्रियों को दूर करने और हाइड्रेट रखने में मदद करता है। ऑलिव ऑयल और शहद एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है, जो स्किन को ग्लोइंग बनाए रखता है। साथ ही इनमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स आपको फ्री रेडिकल्स से बचाने में सहायता करते हैं। ये आंख, गर्दन और गाल में मौजूद झुर्रियों की दिक्कत को दूर कर सकता है।

खीरा और एलोवेरा

खीरे में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा को हाइड्रेट रखते हैं और एलोवेरा जेल गंदगी को हटाने में मदद करता है। इसके इस्तेमाल के लिए आधे खीरे को ब्लेंड करके उसमें 1 चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से पोंछें। ठंडे पानी से चेहरा धो लें। एलोवेरा में एंटीऑक्सीडेंट और जीवाणुरोधी गुण होते हैं। ये गुण जलन वाली त्वचा को शांत कर सकते हैं और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं। जब महीन रेखाओं की बात आती है तो एंटीऑक्सीडेंट गुण मददगार हो सकते हैं। खीरे विषाक्त पदार्थों से लड़ने के लिए बहुत अच्छे होते हैं, खासकर हमारे आस-पास के वातावरण से। यह तत्व सूजन और सूजन को कम करने के लिए बहुत अच्छा है, यही वजह है कि हमारी आँखों को तरोताज़ा लुक देने के लिए खीरे का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है।

हंसना मना है

अध्यापक ने एक बच्चे से पूछा: हजार के बाद लाख, फिर करोड़, फिर अरब आता है, अरब के बाद क्या आता है? छात्र ने कहा- सर! अरब के बाद ईरान आता है।

एल के जी के बच्चे को इम्तहान में जीरो मिला। पिता: (गुस्से से) यह क्या है? बच्चा- पापा, मैम के पास स्टार खत्म हो गए तो उन्होंने मुझे मून दे दिया।

टीचर: तुम कहां पैदा हुए? स्टूडेंट: सर, तिरुवनंतपुरम में, टीचर: स्पेलिंग बताओ स्टूडेंट: सर, अब मुझे लगता है, मैं गोवा में पैदा हुआ था।

एक कंजूस सेठ जब मरने को हुआ तो एक रिश्तेदार ने कहा- अब तो आप मर ही रहे हैं, जाते-जाते समाज के लिए कुछ दे जाइए। सेठ: अब जान तो दे रहा हूं , इससे ज्यादा क्या चाहिए समाज को।

संजना तीसरी बार ड्राइविंग लाइसेंस का इंटरव्यू देने पहुंची officer - अगर एक तरफ आपके पति हो और दूसरी तरफ आपका भाई हो तो आप क्या मारोगी? संजना- पति officer- अरे मैडम आपको तीसरी बार बता रहा हूं की आप ब्रेक मारोगी?

कहानी | पिंजरे का बंदर

एक जंगल के पास दो राजाओं के बीच युद्ध हुआ। युद्ध में एक की जीत और दूसरे की हार हुई। युद्ध खत्म होने के एक दिन बाद तेज आंधी में युद्ध के दौरान बजाया जाने वाला ढोल लुढ़क कर जंगल में चला जाता है और एक पेड़ के पास जाकर अटक जाता है। जब भी तेज हवा चलती और पेड़ की टहनी ढोल पर पड़ती, तो ढमाढम-ढमाढम की आवाज आने लगती थी। उसी जंगल में एक सियार खाने की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था और अचानक उसकी नजर गाजर खा रहे खरगोश पर पड़ती है। सियार उसे शिकार बनाने के लिए सावधानी से आगे बढ़ता है। जब वह खरगोश पर झपटा मारता है, तो खरगोश उसके मुंह में गाजर को फंसाकर भाग जाता है। किसी तरह से सियार गाजर को मुंह से बाहर निकालकर आगे बढ़ता है, तो उसे ढोल की तेज आवाज सुनाई देती है। वह ढोल की आवाज सुनकर घबरा जाता है और सोचने लगता है कि उसने पहले कभी किसी जानवर की ऐसी आवाज नहीं सुनी। जहां से ढोल की आवाज आ रही थी, सियार उस ओर जाता है और यह जानने की कोशिश करता है कि जानवर उड़ने वाला है या चलने वाला। फिर वह ढोल के पास जाता है और उस पर हमला करने के लिए कूदता है, तो ढम की आवाज आती है, जिसे सुनकर सियार छलांग लगा कर उतर जाता है और पेड़ के पीछे छुपकर देखने लगता है। कुछ मिनट बाद किसी तरह की प्रतिक्रिया न होने पर वह फिर से ढोल पर हमला करता है और फिर से ढम की आवाज आती है और वह फिर से ढोल से कूदकर भागने लगता है, लेकिन इस बार वह वहीं पर रुककर मुड़कर देखता है। ढोल में किसी भी तरह की हलचल न होने पर वह समझ जाता है कि यह कोई जानवर नहीं है। फिर वह ढोल पर कूद-कूद कर ढोल को बजाने लगता है। इससे ढोल हिलने लगता है और लुढ़कने भी लगता है, जिससे सियार ढोल से गिर जाता है और ढोल बीच में से फट जाता है। ढोल के फटने पर उसमें से विभिन्न तरह के स्वादिष्ट भोजन निकलते हैं, जिसे खाकर सियार अपनी भूख को शांत करता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड आदि मनोनुकूल लाभ देंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा। फालतू खर्च होगा।

वृषभ यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें। प्रमाद न करें।

मिथुन किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें।

कर्क व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

सिंह सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्यभार तथा अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं। बाहर जाने की योजना बनेगी।

कन्या धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

तुला बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। मेहनत अधिक और लाभ कम रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। घर में तनाव रह सकता है। दूसरे लोग आपसे अधिक अपेक्षा करेंगे।

वृश्चिक घर-बाहर सभी ओर से सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु नौकरी में मातहतों का सहयोग कम मिलेगा। कार्य की अधिकता रहेगी। जल्दबाजी न करें। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। दौड़धूप अधिक होगी।

मकर स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। व्यस्तता रहेगी।

कुम्भ नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। लापरवाही न करें।

मीन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय होगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

पहले ही दिन रेड 2 ने की छप्पर फाड़ कमाई

अजय देवगन,वाणी कपूर,रितेश देशमुख,सौरभ शुक्ला जैसे तमाम शानदार कलाकारों से सजी फिल्म रेड 2 ने थिएटरों में 1 मई को दस्तक दे दी है। राज कुमार गुप्ता के निर्देशन में बनी इस फिल्म से दर्शकों और मेकर्स को भी काफी उम्मीदें हैं। बता दें कि ये फिल्म 7 साल पहले 2018 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म रेड का दूसरा पार्ट है। इसने पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है।

एक बार फिर अजय दावगन यानी इनकम टैक्स ऑफिसर अमय टनायक भ्रष्टाचार का काला धंधा करने वालों के लिए काल बनकर लौटे हैं। इस बार कहानी शुरू होती है राजा साहब (गोविंद नामदेव) के घर से जहां अमय रेड मारता है और कालाधन बरामद करने में कामयाब भी हो जाता है। यहां से बाजी तब पलटती है जब अगले दिन खबर आती है कि अमय ने इस छापेमारी में 2 करोड़ की घूस खाई है।

इसके बाद की कहानी इसी कड़ी से जुड़ते हुए आगे बढ़ती है।

अजय देवगन की रेड 2 की पहले दिन की कमाई

अजय देवगन की रेड 2 ने एडवांस बुकिंग की बदौलत पहले ही दिन छप्पर फाड़कर कमाई की है। इस फिल्म ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर कुल मिलाकर अब तक करीब 18.25 करोड़ की कमाई की है। वहीं रेड 2 के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की रिपोर्ट का फिलहाल इंतजार किया जा रहा है। माना जा रहा है कि इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड पहले दिन ही शानदार कलेक्शन किया है।

अजय देवगन और रितेश देशमुख आमने-सामने

बता दें कि फिल्म का पहला हाफ जहां थोड़ी सुस्त बताई गई है वहां सेकेंड हाफ में कहानी एंगेजिंग, मजेदार और थ्रिल से भरपूर है। अजय देवगन और रितेश देशमुख आमने-सामने शतरंज की बिसात की तरह शह और मात का खेल खेलते नजर आ रहे हैं।

रेड 2 का बजट केवल 48 करोड़ रुपये!

फिल्म रेड 2 को क्रिटिक्स से मिक्स्ड रिव्यूज मिले हैं और ऐसा माना जा रहा है कि दर्शकों को पहले दिन ये पसंद भी आई है। सबसे मजेदार ये है कि बताया जा रहा है कि ये फिल्म महज 48 करोड़ के बजट में बनी है। ऐसे में पहले दिन के कलेक्शन का हाल देखकर इतना तो तय है कि फिल्म हिट रहने वाली है। आइए जानते हैं ओपनिंग डे पर इसका क्या हाल रहा है।

नाम और घर बदलते ही मलाइका को मिलेगा नया प्यार

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा जोड़ों में से एक थे। इस जोड़े का प्यार भरा रिश्ता अक्सर सुर्खियों में रहता था। वैसे, पिछले साल इस जोड़े का ब्रेकअप हो गया था। मलाइका ने इस बारे में कुछ नहीं कहा, जबकि अर्जुन ने पुष्टि की कि वह सिंगल हैं। अब,अर्जुन से ब्रेकअप के कुछ महीने बाद, मलाइका से एक अंक ज्योतिष यानी न्यूमेरोलॉजिस्ट से अपनी लव लाइफ को लेकर सवाल पूछा है। मलाइका ने पूछा कि साल 2025 में मेरी लव लाइफ कैसी रहेगी। इसके जवाब में न्यूमेरोलॉजिस्ट ने मलाइका से कहा कि अगर मैं एकदम सही कहूं तो आपकी लव लाइफ साल 2025 में 10 में से 10 नंबर की होगी। ये सुनते ही मलाइका ने राहत की सांस ली और कहा कि चलो, ये तो अच्छा है। मैं बहुत जमीनी स्तर की इंसान हूं। जब भी मैं टैरो जैसी चीजों में गई हूं, तो किसी के साथ हो गई हूं। हालांकि इसके साथ उनको एक सलाह भी दी गई। अंकशास्त्री ने उन्हें अपने नाम की स्पेलिंग बदलने और अपना निवास स्थान बदलने की भी सलाह दी।

अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद ज्योतिष ने ऐक्ट्रेस को दिया आश्वासन

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर के ब्रेकअप की चर्चा काफी समय से चल रही थी और दिवाली पार्टी के दौरान जब अर्जुन से उनकी गर्लफ्रेंड के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जवाब दिया कि वह सिंगल हैं। अर्जुन कपूर के बर्थडे पर भी वो साथ नहीं थीं। हालांकि पिछले साल उनकी जिंदगी में तब और उथल-पुथल मच गई जब उन्होंने अपने पिता को हमेशा के लिए खो दिया।

बॉलीवुड | मन की बात

हमारी शांति भंग करने वाले हर एक व्यक्ति पर लगे प्रतिबंध :सुनील शेट्टी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों ने जान गंवा दी। इस हमले के बाद पाकिस्तान से जुड़े स्टार्स और लोगों को लेकर आक्रोश की भावना हर देशभक्त में देखने को मिल रही है। हाल ही में पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान की अबीर गुलाल फिल्म पर बैन लगाने की मांग उठी। इसके बाद फिल्म पर भारत में प्रतिबंध लगा दिया गया। सोनम कपूर के साथ फवाद खान की यह फिल्म भारत में रिलीज नहीं होगी। इसके बाद, सरकार ने पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमीर समेत अन्य सेलेब्स के इंस्टाग्राम को भारत से हटा दिया। इसका मतलब है कि यहां के लोग उनके अकाउंट को नहीं देख पाएंगे। फिल्मी दुनिया में इस मुद्दे पर खूब चर्चा चल रही है। इस बीच बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने अपनी राय पाकिस्तानी स्टार्स पर लगाए जा रहे बैन पर पेश की है। सुनील शेट्टी ने कहा, हमारे देश की शांति को भंग करने और निर्दोष लोगों को मारने की साजिश रचने वाले हर एक व्यक्ति पर बैन लगाना चाहिए। क्रिकेट, फिल्में, हर चीज पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए। सबसे पहले जो गलत हुआ है उसे ठीक करें। इसके बाद अपने आप सब कुछ सही हो जाएगा। हम ऐसी जगह से आने वाले लोग हैं, जहां हम धर्म को कर्म और सेवा कहते हैं। एक्टर ने अपनी बात पूरी करते हुए आगे कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे देश की सेना को इसके खिलाफ निर्णय लेने की जिम्मेदारी दी है। मुझे लगता है कि सेना वही करेगी, जो उन्हें करना चाहिए। हम सभी एकजुट हैं और किसी को भी हमारे देश में नफरत फैलानी की परमिशन नहीं देते हैं। जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हम सभी को बस फिलहाल इतना ही करना है। अभिनेता सुनील शेट्टी की अपकमिंग फिल्म की बात करें, तो इन दिनों वह केसरी वीर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। एक्टर इसके प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं। बता दें कि यह मूवी 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अजब-गजब | मध्य प्रदेश का अनोखा गांव जहां है अनोखी परंपरा

इस गांव में घर के सामने ही होता है मायका-ससुराल

खरगोन। मध्य प्रदेश का एक गांव ऐसा भी, जहां न तो किसी की बारात आती है, और न ही गांव से बाहर किसी की बारात जाती है। यहां लड़के-लड़कियों की शादियां गांव में ही हो जाती है। जी हां, हम बात कर रहे हैं खरगोन के चोली गांव की, जिसे देवों की नगरी देवगढ़ और मिनी बंगाल भी कहा जाता है। मुगलकाल से ही यहां यदुवंशी ठाकुर समाज में विवाह की यह अनोखी परम्परा चलन में है। रिश्ते ढूंढने के लिए लोगों को गांव की सीमा नहीं लांघनी पड़ती है। कई महिलाएं तो ऐसे है, जिनका मायका और ससुराल आमने-सामने है। बरहाल, आज 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया (आखा तीज) के दिन भी इस गांव में कई जोड़े विवाह के बंधन में बंधने जा रहे हैं। ऐसा ही एक विवाह गांव के निर्भय सिंह पटेल के सुपुत्र अक्षय पटेल और जगदीश ठाकुर की सुपुत्री भामिनी के बीच हो रहा है। 26 वर्षीय अक्षय (प्रेस्टीसाइज दुकान संचालक) कहते हैं कि, इस विवाह से बेहद खुश है। उनका ससुराल महज 5-6 घर छोड़कर ही है। बारात पूरे गांव में घुमाकर ले जाएंगे।

वहीं, भामिनी ने कहा कि, अक्षय जैसा जीवन साथी पाकर खुश है। एक ही गांव में रहते है, दोनों एक दूसरे को भली भांति जानते हैं। व्यवहार, आचरण से परिचित हैं। पहले से सब पता होने से विवाह के बाद कोई दिक्कत नहीं होती। गांव में सभी की शादियां इसी तरह होती है। मायका और ससुराल नजदीक होने से दोनों घर आने जाने में वक्त नहीं लगता। छोटे-छोटे

आयोजनों में भी शामिल हो पाते है। भामिनी के पिता जगदीश ठकुर ने बताया कि, इस गांव में सभी एक दूसरे के रिश्तेदार हैं। मैंने अपनी बेटी की शादी अपनी बहन के परिवार में अक्षय के साथ की है। उन्होंने कहा कि, विवाह के लिए रिश्ता तय करते समय माता-पिता के कुल और गोत्र देखते हैं। 5 गोत्र छोड़कर रिश्ता जोड़ लेते है। बहन का विवाह होने से कुल और गोत्र बदल गया, इसलिए रिश्ता कर लिया।

ग्रामीण एवं दूल्हे के काका किशोर सिंह ठाकुर (तकन बाबा) ने बताया कि, गांव में यह परम्परा मुगलकाल से चली आ रही है। उस समय मुगल दुल्हनों को उठाकर ले जाते थे, इसलिए रात के अंधेरे में गांव में ही विवाह की यह परम्परा शुरू हुई। हालांकि, इसके पीछे और भी कई कारण है। गांव में करीब 700 घरों में 5 हजार से ज्यादा आबादी ठाकुर समाज की है, जो गांव की कुल आबादी का लगभग 80 फीसदी है। गांव में समाज के 42 गोत्र है। इसलिए रिश्ता करने में सहूलियत होती है। मध्य प्रदेश में निमाड़ अंचल में चोली इकलौता गांव है, जहां यदुवंशी ठाकुर समाज रहता है। इसके अलावा समाज के लोग गुना, ग्वालियर, मालवा और दूसरे राज्यों में निवास करते हैं। वहां के ठाकुर आर्थिक रूप से काफी मजबूत हैं, जबकि यहां के लोग आर्थिक रूप से कमजोर हैं। इसलिए भी गांव में ही रिश्ते तय कर लेते हैं। इसका एक कारण यह भी होता है कि बच्चों को बचपन से बड़े होते है देखा है, संस्कार ओर परवरिश की जानकारी होती है। इसलिए विवाह विच्छेद भी यहां न के बराबर होते है।

दुल्हन की बुआ राधा यादव (शिक्षक) कहती हैं कि, यहां के यदुवंशी ठाकुर मूलतः राजस्थान, करौली और ब्रज के रहने वाले हैं। गांव में ही 42 गोत्र होने से कही और रिश्ता करने की जरूरत नहीं पड़ती। 99.9 प्रतिशत शादियां इसी गांव में होती है। कुछ लोगों की शादियां बाहर हुई है। समाज में लव मैरेज और बाल विवाह भी नहीं होते। माता-पिता अपने बच्चों का विवाह तय करते हैं। हालांकि, अब समय के साथ बच्चो की रजामंदी जरूर ली जाती है। गांव की अर्चना ठाकुर कहती हैं कि, उनकी शादी भी इसी गांव में हुई है। दुल्हन उनके भाई की लड़की है। जबकि, दूल्हा भतीजा है। सुधा पटेल ने कहा कि, मैं दुल्हन की बुआ लगती हूं और भामिनी मेरे ही परिवार में ब्याही गई है। दूल्हा अक्षय उनके काका ससुर का लड़का है। अब दोनों जगह सभी रस्मों में शामिल होते हैं। दूल्हे के साथ बाराती बनकर आते हैं। दुल्हन के घर आते ही घराती बन खुद का स्वागत करते हैं। परोसदरी से लेकर तमाम व्यवस्थाएं संभालते है।

यूपी का अनोखा गांव, जहां शादी के बाद दामाद बनते हैं घर जमाई

कौशांबी। यूं तो हमारा भारत विविधताओं से भरा हुआ देश है। यहां जगह-जगह पर तरह-तरह की भाषाएं तरह-तरह की वेशभूषा और मान्यताएं देखने और सुनने को मिलती हैं। ऐसे ही एक परंपरा यूपी के कौशांबी जनपद के एक मोहल्ले से देखने और सुनने को मिलती है। इस मोहल्ले की सच्चाई जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे। आइए जानते हैं कौशांबी के इस गांव की अनोखी परंपरा के बारे में.. देश में 2014 में बीजेपी सरकार बनने के बाद 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा लगाया गया, लेकिन कौशांबी जनपद के करारी कस्बे का किंग नगर मोहल्ला (दामादों का पुरवा) की आज भी परंपरा अनोखी है। इस कस्बे की बुजुर्ग महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर लोग काफी संजीदा थे, जिसके चलते उन्होंने यह नियम बनाया कि वह अपनी बेटी की शादी उसी से करेंगे, जो उनकी बेटी के साथ उनके मोहल्ले में ही रह सके। इस मुहिम के चलते आज भी यह मोहल्ला दामादों से भरा पड़ा है। स्थानीय लोगों के अनुसार आज भी इस मोहल्ले में 40 से 50 दामाद रहते हैं। कौशांबी के जिला मुख्यालय से तकरीबन 12 किलोमीटर दूर बसे करारी कस्बे का किंग नगर मोहल्ले को लोग दामाद के मोहल्ले के नाम से जानते हैं। इस मोहल्ले की परंपरा को लेकर लोगों को कहना था कि चाहे दहेज प्रथा हो, दहेज को लेकर उत्पीड़न हो या भ्रूण हत्या हो। ऐसे तमाम अपराध जो कि समाज में व्याप्त थे, जिससे अपनी बेटियों को बचाने के लिए बुजुर्गों ने यह अनोखी मुहिम चलाई थी, जिससे उनकी बेटी दामाद के साथ उनके साथ ही रहे और किसी भी उत्पीड़न का शिकार ना हो। वहीं, स्थानीय लोगों की मानें तो शादी करने के बाद दामाद अगर बेरोजगार है, तो बाकायदा रोजगार भी मुहैया कराया जाता है। लोगों का कहना था कि दशकों पहले शुरू हुई इस मुहिम के चलते आज तकरीबन 50 ऐसे परिवार इस मोहल्ले में रहते हैं, जिनके मुखिया शादी के बाद घर जमाई बन गए और अपनी ससुराल में ही रहने लगे। ग्रामीणों ने बताया कि इस गांव का नाम दामादों का पुरवा इसलिए पड़ा है। क्योंकि यहां की बेटियां जो ब्याही जाती थी। भ्रूण हत्या और महिला उत्पीड़न होने के कारण बुजुर्गों ने एक रणनीति बनाई थी कि जहां भी अपनी बेटियों की शादी करेंगे। शादी के बाद अपने बेटी और दामाद को अपने ही साथ रखेंगे, जिससे उनकी बहन-बेटियों को कोई परेशानी न हो। इस वजह से मोहल्ले का नान दामादों का पुरवा पड़ा है। इसके साथ ही इसे किंग नगर के नाम से भी जाना जाता है।

बढ़ रहे पानी बवाल पर अब सुप्रीम कोर्ट का सहारा

नायब सैनी ने की भगवंत मान से पानी देने की अपील

पंजाब के सीएम बोले- हरियाणा अपने कोटे का पानी इस्तेमाल कर चुका है

» डैम पर पुलिस तैनात सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारियों में पंजाब और हरियाणा की सरकारें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा के बीच भाखड़ा डैम के पानी को लेकर चल रहा विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंच रहा है। पंजाब द्वारा पानी की आपूर्ति रोकने के खिलाफ हरियाणा की नायब सरकार पानी के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने कानूनी कार्रवाई के साथ केन्द्र सरकार को इन्वालव करने की बात कही है।

वहीं पंजाब के सीएम भगवंत मान ने भी राजनीतिक दलों की सर्वदलीय बैठक बुलाई।

बैठक में इस बात पर विचार किया गया कि आने वाले दिनों में पार्टियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर सकती हैं। सोमवार से पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का निर्णय लिया गया। इसमें पानी के मुद्दे पर प्रस्ताव पास किया जा सकता है। हरियाणा की सिंचाई मंत्री ने कहा है कि हम अपने पानी के हक के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा को उसके हक का पानी मिलना चाहिए। केजरीवाल की राह पर चलते हुए भगवंत मान ने अपने पद की गरिमा न रखते हुए पानी रोकने का काम किया। यह पानी पूरी तरह से बीबीएमबी का है।

घटिया राजनीति न करें नेता : नायब सिंह

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के नेताओं से साफ कहा है कि पानी के मुद्दे पर घटिया राजनीति न करें। पंचकूला में क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी के कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से सीएम सैनी ने कहा कि यह गुरुओं की धरती है। हम गुरुओं को प्रणाम करते हैं। हरियाणा का अस्तित्व भी पंजाब से ही आया है। मैं हरियाणा का मुखिया होने के नाते कहता हूं कि अगर पंजाब के लोगों को पीने के पानी की आवश्यकता पड़ी तो हम ट्यूबवेल लगाकर अपनी जमीन का पानी निकालकर पंजाब को देंगे। पंजाब के किसी व्यक्ति को प्यासा नहीं रहने देंगे यह गारंटी मेरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछला रिकॉर्ड देख लें, जो पानी हरियाणा को पहले से मिलता आ रहा है। हम केवल उसी की बात कर रहे हैं।

चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में होने वाली सर्वदलीय बैठक में साफ हो जाएगा कि इस मुददे पर क्या होने जा रहा है। हरियाणा के सभी दल इस मुद्दे पर पहले ही सरकार का साथ देने का ऐलान कर चुके हैं।

उत्तराखंड में नाबालिग से रेप, लोगों में रोष

» धामी सरकार पर जनता का दबाव, कड़ी कार्रवाई करे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उधम सिंह नगर। उत्तराखंड में उधम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की को होटल में ले जाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी ने बताया कि पीड़िता के पिता की शिकायत पर एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। उनकी नाबालिग लड़की को कोई लड़का बहला-फुसलाकर किसी होटल में ले गया था, जहां उसने उसके साथ गलत काम किया।

मुकदमा लिख दिया गया है और पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, कोतवाली क्षेत्र के निवासी ने पुलिस को बताया था कि उनकी 16 वर्षीय बेटी पिछले कुछ दिनों से परेशान थी। बार-बार पूछने पर उसने बताया कि कुछ दिन पहले उसकी मुलाकात लांबाखेड़ा निवासी माशूक से हुई थी। आरोप है कि माशूक ने उसे अपनी बातों में फंसा लिया और 26 अप्रैल को बहला-फुसलाकर एक होटल में ले गया। आरोप है कि होटल में युवक ने नाबालिग का बलात्कार किया। साथ ही किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं। इससे पहले गुरुवार को उत्तराखंड के नैनीताल में एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला भी प्रकाश में आया था। दुष्कर्म का आरोप 76 वर्षीय एक बुजुर्ग पर है। इस घटना के विरोध में लोगों ने बड़ी संख्या में सड़क पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन किया और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की।

सोनिया-राहुल को नोटिस भेजना गलतः हरीश रावत

» पूर्व मुख्यमंत्री ने लगाया केंद्र सरकार पर जांच एजेंसी के दुरुपयोग का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में दिल्ली की एक अदालत द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी को नोटिस भेजा गया है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने केंद्र सरकार को घेरते हुए जांच एजेंसी के दुरुपयोग का आरोप लगाया।

हरीश रावत ने नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी और सोनिया गांधी को नोटिस भेजने को लेकर कहा कोर्ट ने क्या किया है उस पर कोई विवाद नहीं करना चाहता लेकिन जिस तरीके से निर्लज्जतापूर्वक जांच एजेंसी का दुरुपयोग किया जा रहा है, वह निंदनीय है। बाकी जो कोर्ट का मामला है उसे कोर्ट में देखा जाएगा। जाति जनगणना को लेकर भाजपा सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि इतने साल से वे बैठे रहे हैं। हम इतने साल से लगातार मांग कर रहे हैं। राहुल गांधी इतने साल से लगातार मांग कर रहे हैं। उन्होंने संसद में यह मुद्दा उठाया। हमारे अध्यक्ष ने केंद्र सरकार को पत्र लिखा है।

पाक पर हमला न करना इच्छाशक्ति की कमी : प्रकाश अंबेडकर

» बोले- ठोस कदम उठा कर सबक सिखाए सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) के प्रमुख प्रकाश अंबेडकर ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ पाकिस्तान पर कार्रवाई की मांग के लिए शुक्रवार को एक आयोजन किया। उन्होंने केंद्र सरकार में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी की बात कही। प्रकाश अंबेडकर ने कहा है कि भारत के लोग सरकार के साथ है। सरकार में निर्णय लेने की जो राजनीतिक इच्छाशक्ति होनी चाहिए वह हमें दिखाई नहीं दे रही है। सरकार की उस इच्छाशक्ति को मजबूत बनाने के लिए ही हमने इस कार्यक्रम का आयोजन किया है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने कोई फैसला नहीं लिया है। जहां तक पाकिस्तानी नागरिकों के बाहर जाने की बात है लोगों का वीजा खत्म होगा तो उन्हें वैसे भी जाना होगा। झेलम का पानी बह रहा है वह बहता रहेगा। सरकार को जो ठोस कदम उठाना चाहिए वह नहीं उठाया है। सरकार को ठोस कदम उठाकर पाकिस्तान को सबक सिखाना चाहिए। आज के कार्यक्रम से हम जनता की भावना को सरकार तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

जनता भी चाहती है कि भारत हमला करे

रूस-यूक्रे न युद्ध का उदाहरण देते हुए प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि पुतिन क्या कर रहे हैं, उन्हें यूक्रेन से क्या खतरा है? दरअसल, पुतिन का कहना है कि अगर यूक्रे न नाटो में चला गया तो उनका दुश्मन दरवाजे पर खड़ा होगा। ऐसी स्थिति न हो इसलिए यूक्रेन के सारे इन्फ्रास्ट्रक्चर बिजली, पानी, फैक्टरियां और अस्पतालों को नष्ट कर रहे हैं ताकि 20-25 साल तक यूक्रेन उन्हें चैलेंज न कर सके। हमें भी इसी तरह पाकिस्तान को देखना चाहिए। हम भी ऐसी स्थिति में उसे डालें कि आगे 10-20 साल तक वह हमें आंख न दिखाए। उन्होंने कहा कि सरकार के पास लोगों में मौजूद आक्रोश का मैसेज गया होगा लेकिन उसके पास इच्छाशक्ति की थोड़ी सी कमी दिखाई दे रही है। इसलिए जनता भी सरकार से पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए कह रही है।

गुजरात टाइटन का दमखम, सनराइर्जस ढेर

» अंकतालिका में जीटी सेकेंड नम्बर पर पहुंची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। आईपीएल 2025 के 51वें मैच में गुजरात टाइटंस की टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। इसके साथ ही तालिका में मौजूद टॉप-3 टीमों के 14-14 अंक हो चुके हैं। इस मैच में सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाज संघर्ष करते दिखाई दिए।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जीटी ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट के नुकसान पर 224 रन बनाए, तब सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने पूरे ओवर खेलने के बावजूद 186 ही रन बनाए। एक समय सनराइजर्स का स्कोर 2 विकेट के नुकसान पर 139 रन था और क्रीज पर अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन जैसे बड़े हिटर्स मौजूद थे। लेकिन अभिषेक के (41 गेंदों पर 74 रनों)पर आउट होते ही सनराइजर्स का संघर्ष समाप्त हो गया। क्लासेन ने 18 गेंदों पर सिर्फ 23 ही रन बना पाए। इससे पहले ईशान किशन ने 17 गेंदों पर 13 रनों की बेहद धीमी पारी खेली थी। गुजरात टाइटंस के पेसर्स मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 2-2 विकेट लिए। सिराज ने चार ओवर में 33 रन दिए और कृष्णा ने अपने कोटे से केवल 19 ही रन दिए। कृष्णा को अपनी परफॉर्मेंस के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी दिया गया है। इसके साथ ही सनराइजर्स को गुजरात टाइटंस के खिलाफ लगातार 5वीं हार मिली है।

शुभमन गिल ने 76 रन की खेली शानदार पारी

गुजरात टाइटंस की पारी में सुदर्शन के ओपनिंग पार्टनर कप्तान शुभमन गिल ने भी केवल 38 गेंदों पर 76 रनों की पारी खेली। जोस बटलर ने भी 37 गेंदों पर 64 रन बनाए। आईपीएल 2025 सीजन में गिल एकमात्र ऐसे कप्तान हैं जिन्होंने 400 रन बनाए हैं। गिल ने आईपीएल के पिछले कुछ सीजन्स में लगातार निरंतर प्रदर्शन किया है। आईपीएल 2020 से अब तक उन्होंने लगातार 400 प्लस का स्कोर बनाया है। इस दौरान उनका सबसे कम स्कोर पिछले सीजन में 426 के तौर पर आया था। लेकिन आईपीएल 2023 में उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन के साथ 890 रन बनाए थे। इस हार के बाद सनराइजर्स प्लेऑफ की रेस से बाहर होने की दहलीज पर पहुंच गए हैं। उनके 10 मैचों में सिर्फ तीन जीत के साथ छह ही अंक हैं।

राकेश टिकैत पर जानलेवा हमला, बाल-बाल बचे

लंबे समय से हैं विरोधियों के निशाने पर टिकैत, जन आक्रोश रैली में हुआ हादसा, सिर पर मारी गयी लाठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में पाकिस्तान के विरुद्ध चल रही विशाल जन आक्रोश रैली में भारतीय किसान यूनियन बीकेयू के नेता राकेश टिकैत पर हमले की खबर है।

राकेश टिकैत का आरोप है कि उनके सिर पर लाठी से वार किया और उनकी पगड़ी भी गिर गयी। हमले के बाद रैली में हंगामा मच गया। बड़ी मुश्किल से पुलिस ने टिकैत को बचा कर सुरक्षित निकाला।

टिकैत के बयान से नाराज थे लोग

किसान नेता राकेश टिकैत का विरोध ऐसे समय पर हुआ है जब राकेश टिकैत ने पहलगाम हमले को लेकर बयान दिया था उनके इस बयान को लेकर काफी विरोध हुआ था और हिंदू संगठन इस बयान से काफी आक्रोशित थे। मुजफ्फरनगर के सिटी कोतवाली क्षेत्र स्थित टाउन हॉल में पाकिस्तान के खिलाफ एक विशाल जन आक्रोश रैली का आयोजन किया गया था। इस रैली में जिले भर से भारी संख्या में लोग शामिल हुए, जिनमें हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं की भागीदारी प्रमुख रही। रैली में पाकिस्तान के विरुद्ध जोरदार नारों और आक्रोश का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत का तीखा विरोध हुआ। कुछ लोगों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की और विरोध करते हुए उनके साथ धक्का-मुक्की भी की। बता दें कि जन आक्रोश रैली में भारी पुलिस बल भी तैनात रहा।

राकेश टिकैत का बयान

बता दें कि राकेश टिकैत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर ऐसा बयान दिया था जिसका काफी विरोध भी हुआ था। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा था कि इस घटना से किसे फायदा हो रहा है? चोर आपके बीच में है पाकिस्तान में नहीं। कौन हिंदू-मुस्लिम कर रहा है जवाब उसी के पास है। राकेश टिकैत के इस बयान में उन्होंने हमले के पीछे आंतरिक साजिश का इशारा किया था।

जातीय जनगणना के लिए तेलंगाना मॉडल फिट : रेड्डी

» तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी से का अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भारत सरकार से अपील की है कि जातिय जनगणना के लिए तेलंगना मॉडल को अपनाना चाहिए। गौरतलब है कि कांग्रेस कार्य समिति सीडब्ल्यूसी की बैठक में भी इस तरह की चर्चा की गयी। सीएम रेवंत रेड्डी के मुताबिक तेलंगाना का जाति सर्वेक्षण मॉडल एक प्रभावी और समावेशी ढांचा प्रदान करता है जिसे भारत सरकार को देश भर में जाति जनगणना करने के लिए अपनाना चाहिए।

दिल्ली में आयोजित सीडब्ल्यूसी की बैठक में शामिल हुए मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि यह बैठक भारत के इतिहास के ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर आयोजित की गई है, जब देश कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर सामाजिक न्याय, बदलती विश्व व्यवस्था और आर्थिक असमानताओं तक, भारत इतिहास के एक नाजुक मोड़ पर है।

पोस्ट में लिखा है कि कांग्रेस राष्ट्र के लिए एक बार फिर से आगे आने के लिए तैयार और संकल्पित है। यह स्वीकार करते हुए कि राहुल गांधी द्वारा बनाए गए दबाव के कारण जाति जनगणना की घोषणा हुई है, हम यह सुनिश्चित करने के लिए लड़ेंगे कि यह सही भावना और सही तरीके से हो।

साइंटिफिक है तेलंगाना मॉडल

सीएम रेवंत रेड्डी का मानना है कि तेलंगाना में, जाति सर्वेक्षण का डिजाइन नागरिक समाज, सामाजिक वैज्ञानिकों और सामुदायिक नेताओं की सक्रिय भागीदारी के साथ एक परामर्श और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से विकसित किया गया था। एक नियमित नौकरशाही अभ्यास होने की बजाय, यह सार्वजनिक इनपुट और जांच के लिए खुला था। सीडब्ल्यूसी ने केंद्र सरकार से राष्ट्रीय जाति जनगणना के लिए इसी तरह का दृष्टिकोण अपनाने का जोरदार आग्रह किया।

गर्व महसूस करता हूं

उन्होंने कहा भारत की वर्तमान स्थिति और भविष्य के बारे में कई मुद्दों पर चर्चा करते हुए शीर्ष नेतृत्व (कांग्रेस अध्यक्ष) मल्लिकार्जुन खड़गे, (कांग्रेस संसदीय दल की नेता) सोनिया गांधी और हमारे शीर्ष नेताओं के साथ बातचीत करने के बाद मैं प्रेरित महसूस कर रहा हूं।

हर हाल में सुनिश्चत हो

रेवंत रेड्डी ने केंद्र को सुझाव दिया था कि जाति जनगणना के लिए तेलंगाना मॉडल का पालन किया जाना चाहिए, जिसमें सामान्य जनगणना के हिस्से के रूप में जाति जनगणना करने से पहले हर राज्य में जाति प्रोफाइल का अध्ययन करने के लिए मंत्रियों का एक समूह और एक विशेषज्ञ समिति बनाई जानी चाहिए।

हाउस अरेस्ट शो के चक्कर में एजाज खान के अरेस्ट होने की नौबत

» अश्लील कंटेन्ट परोसने के आरोप में एफआईआर उल्लू ने एप से हटाया शो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उल्लू एप पर बिग बॉस फेम एजाज खान के शो हाउस अरेस्ट पर एफआईआर दर्ज हो गयी है और कंपनी ने इस शो को एप से हटा दिया है। समय रैना और इलाहाबादिया, के बाद अश्लीलता को लेकर ताजी सुर्खियां एजाज खान बटोर रहे थे। बजरंग दल के कार्यकर्ता गौतम रावरिया की शिकायत के आधार पर मुंबई की अंबोली पुलिस ने इस शो के प्रोड्यूसर राजकुमार पांडे और होस्ट एजाज खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

पुलिस ने बीएनएस की धारा 296, 3(5), आईटी एक्ट की धारा 67(अ) और 67, साथ ही महिलाओं के अश्लील चित्रण (निषेध) अधिनियम की धारा 4, 6 और 7 के तहत मामला दर्ज किया है। गौतम रावरिया ने अपने बयान में कहा कि उन्हें 25 अप्रैल को 'हाउस अरेस्ट' वेब सीरीज के बारे में जानकारी मिली, जिसमें महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक भाषा और दृश्य प्रस्तुत किए गए हैं।

देवी समान महिलाओं का अपमान

उन्होंने आरोप लगाया कि यह सामग्री देवी समान महिलाओं का अपमान करती है। उनका दावा है कि उन्होंने यह शो अपने परिवार के साथ देखा और इसके दृश्य बेहद आपत्तिजनक पाए। बजरंग दल के कार्यकर्ता ने बताया कि उन्हें सोशल मीडिया और टेक्स्ट मैसेज के माध्यम से इस शो को लेकर कई शिकायतें मिली थीं। जब उन्होंने शो की जांच की, तो पाया कि यह वेब सीरीज न केवल उल्लू ऐप पर उपलब्ध है, बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी इसके लिंक शेयर किए जा रहे हैं।

बारिश में बही आढ़तियों की आस, करोड़ों का नुकसान

जींद में चार लाख गेहूं की बोरियां बारिश के पानी में भीगी, सरसों को भी हुआ नुकसान, सदमें में किसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जींद । हरियाणा के जींद जिले की अनाज मंडी में गुरुवार रात हुई तेज बारिश से आढ़तियों को भारी नुकसान हुआ। बारिश की वजह से मंडी में रखी करीब चार लाख गेहूं की बोरियां भीग गईं, जिससे आढ़तियों को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ। इस घटना के बाद आढ़तियों में काफी रोष देखा गया।

आढ़तियों का कहना है कि प्रशासन की लापरवाही की वजह से यह स्थिति उत्पन्न हुई है। मंडी में बारिश से बचाव के लिए शेड था लेकिन वह अनाज को पूरी तरह सुरक्षित रखने में सक्षम नहीं था। अगर शेड की व्यवस्था होती तो लाखों क्विंटल गेहूं बचाया जा सकता था। गेहूं की बोरियों में पानी भरने से बोरियां भीग गईं और गेहूं की गुणवत्ता खराब हो गई।

मंडी से पानी को बाहर निकालने के लिए छोटे पंप का सहारा लिया जा रहा है, लेकिन गेहूं काफी भीग चुका है और आढ़तियों को करोड़ों रुपए के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। आढ़ती योगेश गोयल ने बताया कि बारिश की वजह से आढ़तियों को भारी नुकसान हुआ है। नुकसान की राशि का अभी सटीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता लेकिन यह काफी बड़ा है। मंडी में अनाज से भरे करीब चार लाख बैग भीग गए। उन्होंने कहा कि हमने अनाज को बचाने की हरसंभव कोशिश की और तिरपाल लगाकर उसे ढंकने का प्रयास भी किया लेकिन बारिश बहुत तेज थी जिससे गेहूं भीग गया।

नहीं मिला शेड का फायदा

उन्होंने कहा कि मंडी में शेड का कोई फायदा नहीं हुआ क्योंकि बारिश का पानी शेड के अंदर भी घुस गया। इसलिए शेड बनाने से कोई फायदा नहीं हुआ। मंडी में कुछ समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि शेड से पानी की निकासी के लिए उचित व्यवस्था की जाए। उल्लेखनीय है कि गुरुवार देर रात देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। हर तरफ तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश देखने को मिली। विशेषज्ञों का कहना है कि यह पश्चिमी विक्षोभ का असर है, जो इस समय उत्तर भारत के ऊपर सक्रिय है। इससे अगले 24 से 48 घंटों तक मौसम खराब रहने की आशंका है।

मौत का फ्लू : अमेरिका में अब तक 216 बच्चों की मौत

» तेजी से पांव पसार रहा है इन्फ्लूएंजा, रिकार्ड मौतों से थर्राया अमेरिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयार्क। अमेरिका में फ्लू सीजन में अब तक कुल 216 बच्चों की मौत हो चुकी है। 26 अप्रैल को खत्म हुए हफ्ते में इन्फ्लूएंजा से 12 बच्चों की मौत हुई है। अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र सीडीसी ने जानकारी को साझा करते हुए बताया कि यह संख्या अब तक के किसी भी सामान्य फ्लू सीजन गैर-महामारी में बच्चों की सबसे ज्यादा मौतों का रिकॉर्ड है। इससे पहले 2023-2024 के सीजन में 207 बच्चों की मौत हुई थी।

सीडीसी का कहना है कि फ्लू का असर अब धीरे-धीरे कम हो रहा है, लेकिन यह सीजन सभी उम्र के लोगों के लिए बहुत गंभीर रहा है- बच्चों, बड़ों और बुजुर्गों के लिए भी। 2017-2018 के बाद यह पहला गंभीर फ्लू सीजन है। अब तक अमेरिका में इस सीजन में फ्लू के कारण करीब 4.7 करोड़ लोग बीमार हुए हैं, 6 लाख 10 हजार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है और लगभग 26 हजार लोगों की जान जा चुकी है। सीडीसी ने सलाह दी है कि 6 महीने या उससे ज़्यादा उम्र के सभी लोगों को हर साल फ्लू का टीका जरूर लगवाना चाहिए, जब तक फ्लू का वायरस फैला हुआ हो।

फ्लू का टीका जरूर लगवाएं

अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के डॉक्टर शॉन ओलेरी का कहना है कि इस बार बच्चों को फ्लू का टीका कम लगवाया गया है, जो सीजन के गंभीर होने का एक बड़ा कारण है। टीका जरूरी है क्योंकि यह अस्पताल में भर्ती होने और मौत की संभावना को बहुत हद तक कम कर देता है भले ही यह फ्लू के सभी लक्षणों को न रोक पाए।

युवाओं को भी दिक्कत

बच्चों के साथ-साथ बड़ों के लिए भी यह सीजन मुश्किल भरा रहा है। सीडीसी के पास फ्लू के कारण अस्पताल में भर्ती हुए लगभग 5,200 वयस्कों की जानकारी है, जिनमें से 95 को पहले से कोई न कोई बीमारी थी। वहीं, अस्पताल में भर्ती करीब 2,000 बच्चों में से सिर्फ़ 53 प्रतिशत बच्चों को ही पहले से कोई बीमारी थी, जैसे अस्थमा या मोटापा। सीडीसी ने यह नहीं बताया कि जिन बच्चों की मौत हुई, उनमें से कितनों को टीका लगा था।

कम हो रहा है फ्लू का प्रभाव

अच्छी बात यह है कि फरवरी से ही फ्लू के मामलों में गिरावट देखने को मिल रही है और पिछले हफ्ते सभी 50 राज्यों में फ्लू की गतिविधि कम या बहुत कम रही। बचपन के टीकाकरण की दरें भी घट रही हैं। इसका कारण इंटरनेट पर फैल रही झूठी बातें और कोविड-19 वैक्सीन को लेकर पैदा हुई राजनीतिक बहस है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।